2019

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(Bhaktikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'पुत्र बिसरु जनि माता'—यहाँ किस पुत्र की बात कही गई है?

(ख) गंगा के प्रति विद्यापति का कौन-सा अपराध हो गया है?

(ग) विद्यापति की पदावली की भाषा क्या है?

(घ) सूरदास जी के गुरु का नाम क्या है?

(ङ) मीराँबाई के सांसारिक पति का नाम क्या है?

(च) 'अखरावट' के कवि कौन हैं?

(छ) 'गीतावली' किसकी रचना है?

(ज) सिंहल की राजकुमारी का नाम क्या है?

(झ) कवि ने किनको 'पतित पावन' कहा है?

(ञ) रसखान की भाषा क्या थी?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति की लोकप्रियता के कोई दो कारण लिखिए।

(ख) पठित पदों के आधार पर कृष्ण के बाल-रूप का वर्णन कीजिए।

(ग) नागमती के केश-सौन्दर्य को प्रस्तुत कीजिए।

(घ) 'बीजक' के कितने खण्ड हैं? उनके नाम लिखिए।

(ङ) दादूदयाल की भक्ति-भावना संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) जेठ महीने में नागमती की विरहावस्था का चित्रण कीजिए।

(ख) विद्यापति ने अर्द्धनारीश्वर रूप का वर्णन किस प्रकार से किया है?

(ग) 'भ्रमरगीत' का मूल उद्देश्य क्या है?

(घ) "राजा परजा जेहि रुचै सीस देइ लै जाइ"—का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ङ) मीराँबाई की भक्ति-भावना पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) कबीर गरबु न कीजै देहि देखि सुरंग।
आजु काल्हि तजि जाहुगे ज्यों कांचुरी भुवंग॥

अथवा

जय-जय भैरवि असुर भयाउनि
पसुपति-भामिनी माया।
सहज सुमति बर दिअओ गोसाउनि
अनुगति गति तुअ पाया॥

(ख) अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल।
काम क्रोध को पहिरि चोलना कंठ विषय की माल॥
महामोह के नूपुर बाजत निंदा सब्द रसाल।
भरम भर्‌यौ मन भयौ पखावज चलत असंगत चाल॥

अथवा

मन पछितैहै अवसर बीते।
दुर्लभ देह पाइ हरिपद भजु करम बचन अरु ही ते॥
सहसबाहु दसबदन आदि नृप बचे न काल बली ते।
हम हम करि धन धान सवारे अन्त चले उठि रीते॥

5. गीति-काव्य की दृष्टि से विद्यापति के पठित पदों का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

6. 'मानसरोदक खण्ड' के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

भाव और कला, दोनों दृष्टियों से सूरदास-कृत 'भ्रमरगीत' के महत्त्व का आकलन कीजिए।

★★★